

**RAJASTHAN FINANCIAL CORPORATION
(CREDIT APPRAISAL SECTION-1)**

**Udyog Bhawan,
Tilak Marg,
JAIPUR-302 005.**

Case No. : RFC/LA-13(1)/ 140

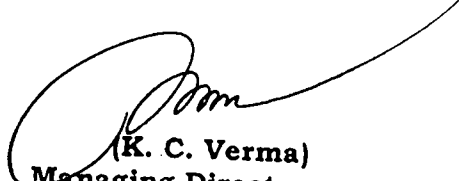
Dated : 10.09.2020

**C I R C U L A R
(CAS- 66)**

**Sub : ELIGIBILITY U/s 26 (ii) OF SFC's ACT, 1951 -
Enhancement of limit of Accommodation**

With reference to SIDBI Circular FI No. 07/2010-11 dated 01.03.2011 regarding enhancement of limit of accommodation. The SIDBI vide its circular IFV No. 06/2020-21 dated : 25.08.2020 (copy enclosed as Annexure-"A") has advised that besides Proprietorship/ Partnership/ Trust which have been included as borrower entity, Section 26 (ii) of SFC Act 1951 may also include any other entity (other than Corporation, Company or a Co-operative Society as per Section 26 (i) as borrower entity including limited liability Partnership (LLP).

All concerned are advised to take a note of it.


(K. C. Verma)
Managing Director

Encl : As Above.

Copy to :

- 1- All Branch Offices/ Facilitation Centres;
- 2- Standard Circulation at Head Offices; and
- 3- DGM (MS), for uploading the Circular on RFC Website.

Annexure 'A'

1814



sidbi

सिडबी: आईएफवी: सं.06950 / एसएफसी / नीति
SIDBI: IFV: No.06950 / SFCs / Policy

Am (CAS)
31/8

ms-cas
31/8

25 अगस्त, 2020
August 25, 2020

सभी राज्य वित्तीय निगमों के प्रबंध निदेशक
MDs of all SFCs.

आईएफवी परिपत्र सं. 06 / 2020-21

IFV Circular No. 06 / 2020-21

प्रिय महोदय / महोदया,
Dear Sir / Madam,

एसएफसी अधिनियम, 1951 की धारा 26(ii) के तहत पात्रता
Eligibility u/s 26(ii) of SFCs Act, 1951

निभाव सीमा बढ़ाने के संबंध में कृपया दिनांक 01 मार्च, 2011 के सिडबी के परिपत्र सं. एफआई 07 / 2010-11 का संदर्भ लें।

Please refer SIDBI Circular FI No.7 / 2010-11 dated March 1, 2011 regarding Enhancement of Limit of Accommodation.

इस संबंध में, यह सूचित किया जाता है कि राज्य वित्तीय निगम अधिनियम की धारा 26 (ii) में उधारकर्ता इकाई के रूप में शामिल स्वामित्वधारी प्रतिष्ठान / भागीदार फर्म / न्यास के अतिरिक्त, सीमित देयता भागीदारी सहित कोई अन्य संस्था भी [निगम, कंपनी या सहकारी सोसाइटी को छोड़कर, जिन्हें राज्य वित्तीय निगम अधिनियम की धारा 26 (i) में शामिल किया गया है] उधारकर्ता इकाई के रूप में शामिल हो सकती है।

In this connection, it is advised that besides Proprietorship / Partnership / Trust which have been included as borrower entity, section 26(ii) of SFCs Act may also include any other entity [other than Corporation, Company or a Co-operative Society as per section 26(i)] as borrower entity including Limited Liability Partnership (LLP).

भवदीय / Yours faithfully,

[संजीव गुप्ता / Sanjeev Gupta]

उप महाप्रबंधक / Dy. General Manager

बैंक हिन्दी में पत्राचार का स्वागत करता है।

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

एनएसएई विकास केन्द्र, सी - ११, जी ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051. दूरभाष: +91 22 6753 1100, फैक्स: +91 22 6755 1377

SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA

MSME Development Centre, C-11, G-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051. Tel.: +91 22 6753 1100, Fax: +91 22 6755 1377

Toll Free No.: 1800 22 6753

www.sidbi.in | www.sidbistartupmitra.in | www.udyamimlra.in

@sidbiofficial SIDBIOfficial

1815
T

IFV (BANK/SFC)
CIRCULARS
Asha N Kambar/BYO/SIDBI
03/01/2011 05:33 PM

Subject (In Hindi)	
Subject (In English)	DFID Circular FI No.07/2010-11 dtd 1.3.11 Enhancement in Limit of Accommodation
Vertical / Cell	IFV (BANK/SFC)
Document Category	CIRCULARS
Circular / Document No.	
References (Previous Circulars)	
References (Subsequent Circulars)	
Language	<input type="checkbox"/> Bilingual

सिडबी सं.7114/डीएफआईडी/रिफ पॉलिसी
SIDBI NO. 7114/ DFID/ Ref Policy

1 मार्च, 2011
March 1, 2011

पात्र राज्य वित्त निगमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
The CMDs/MDs of eligible SFCs

परिपत्र एफआई सं.07/2010-11
Circular FI No.07/ 2010-11

महोदया / प्रिय महोदय, Madam/Dear Sir,

निभाव सीमा में वृद्धि
Enhancement of Limit of Accommodation

कृपया उपर्युक्त विषय पर दिनांक 19 मार्च, 2010 के हमारे परिपत्र सं. एफआई 16/2009-10 का संदर्भ लें।

Please refer to our Circular No.FI. 16 / 2009-10 dated March 19, 2010 on the captioned subject.

राज्य वित्त निगम अधिनियम, 1951 की धारा 26(i) और 26(ii) के प्रावधानों के अनुसार क्रमशः, किसी कॉर्पोरेशन या कंपनी या सहकारी संस्था के मामले में 10 करोड़ रुपये से अधिक और 20 करोड़ रुपये तक तथा स्वामित्व /भागीदार /न्यास, आदि के मामले में 2 करोड़ रुपये से अधिक और 8 करोड़ रुपये तक निभाव सीमा पार करने वाले प्रस्तावों के संबंध में, सिडबी मामले-दर-मामले के आधार पर अनुमोदन प्रदान करता है।

SIDBI has been according approval on case to case basis in respect of proposals exceeding the limit of accommodation beyond Rs.10 crore and upto Rs.20 crore in the case of a Corporation or a Company or a Co-operative society and beyond Rs.2 crore and upto Rs.8 crore in respect of proprietary/ partnership /trust etc., in terms of provisions of section 26(i) and 26(ii) of SFCs Act, 1951, respectively.

2. स्वामित्व /भागीदार /न्यास, आदि से बड़ी संख्या में प्राप्त मामलों को देखते हुए और राज्य वित्त

18/6

- 1) सिडबी के सभी अंचल / क्षेत्रीय कार्यालय / शाखा कार्यालय
All ZOs / GRO / BOs of SIDBI
- ii) लखनऊ, मुंबई और नई दिल्ली के प्रधान कार्यालय के सभी विभाग
All HO Department at Lucknow, Mumbai and New Delhi
- iii) सभी आंचलिक लेखा परीक्षा कक्षों
All ZACs

ह/-

उप महाप्रबंधक / Dy. General Manager